अनुयोगद्वारसूत्र (फोल्डर नंबर ००१२३९)

मुख्य टाइटल
प्रकाशकीय ---------- ५
स्वकथ्य ---------- ६
विषयानुक्रम ---------- ८
प्रस्तावना ---------- २१
श्री आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर ---------- ४८
मंगलाचरण ---------- ३
अभिधेयनिर्देश ---------- ६
आवश्यकनिरूपण
आवश्यक पद के निक्षेप की प्रतिज्ञा ---------- १०
आवश्यक के निक्षेप ---------- १२
नामस्थापना-आवश्यक ---------- १२
आगमद्रव्य-आवश्यक ---------- १५
आगमद्रव्य-आवश्यक और नय दृष्टियाँ ---------- १६
नोआगमद्रव्य-आवश्यक ---------- १८
नोआगमज्ञायकशरीर द्रव्यावश्यक ---------- १९
नोआगमभव्यशरीर द्रव्यावश्यक ---------- २०
ज्ञायकशरीर-भव्यशरीर-व्यतिरिक्त-द्रव्यावश्यक ---------- २१
लौकिक द्रव्यावश्यक ---------- २१
कुप्राबचनिक द्रव्यावश्यक ---------- २३
लोकोत्तरिक द्रव्यावश्यक ---------- २४
भावावश्यक ---------- २५
आगमभावावश्यक ---------- २५
नोआगमभावावश्यक ---------- २६
लौकिकभावावश्यक ---------- २६
कुप्रावचनिक भावावश्यक ---------- २७
लोकोत्तरिक भावावश्यक ---------- २७
आवश्यक के पर्यायवाची नाम ---------- २८
श्रुतनिरूपण
श्रुत के भेद ---------- २९
नाम और स्थापनाश्रुत ---------- २९
द्रव्यश्रुत के भेद ---------- ३०
आगमद्रव्यश्रुत ---------- ३०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

नोआगमद्रव्यश्रुत ---------- ३१
ज्ञायकशरीरद्रव्यश्रुत ---------- ३२
भव्यशरीरद्रव्यश्रुत ---------- ३२
ज्ञशरीर-भव्यशरीर-व्यतिरिक्त द्रव्यश्रुत ---------- ३३
भावश्रुत ---------- ३५
नोआगमभावश्रुत ---------- ३६
लौकिकभावश्रुत ---------- ३६
लोकोत्तरिकभावश्रुत ---------- ३८
श्रुत के नामान्तर ---------- ३८
स्कन्धनिरूपण
स्कन्ध-निरूपण के प्रकार ---------- ३९
नाम-स्थापना स्कन्ध ---------- ४०
द्रव्यस्कन्ध ---------- ४०
नोआगमद्रव्यस्कन्ध---------- ४२
ज्ञायकशरीर-द्रव्यस्कन्ध---------- ४२
नोआगम-भव्यशरीरद्रव्यस्कन्ध---------- ४२
ज्ञायकशरीर-भव्यशरीर-व्यतिरिक्त द्रव्यस्कन्ध ---------- ४३
सचित्तद्रव्यस्कन्ध---------- ४३
अचित्तद्रव्यस्कन्ध ---------- ४४
मिश्रद्रव्यस्कन्ध ---------- ४४
ज्ञायकशरीर-भव्यशरीर-व्यतिरिक्त द्रव्यस्कन्ध का प्रकारान्तर से प्ररूपण---------- ४४
कृत्स्नस्कन्ध ---------- ४५
अकृत्स्नस्कन्ध ---------- ४५
अनेकद्रव्यस्कन्ध ---------- ४६
भावस्कन्धनिरूपण ---------- ४६
स्कन्ध के पर्यायवाची नाम ---------- ४७
आवश्यक के अर्थाधिकार और अध्ययन---------- ४८
उपक्रमनिरूपण
अनुयोगद्वार-नामनिर्देश---------- ५०
उपक्रम के भेद और नाम-स्थापना उपक्रम---------- ५१
द्रव्य उपक्रम---------- ५१
सचित्तद्रव्योपक्रम ---------- ५२
अचित्तद्रव्योपक्रम ---------- ५३
मिश्रद्रव्योपक्रम ---------- ५४
क्षेत्रोपक्रम ---------- ५४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कालोपक्रम ---------- ५५
भावोपक्रम ---------- ५५
उपक्रमवर्णन की शास्त्रीय दृष्टि ---------- ५७
आनुपूर्वीनिरूपण
आनुपूर्वीनिरूपण ---------- ५७
नाम-स्थापना आनुपूर्वी ---------- ५७
द्रव्यानुपूर्वी ---------- ५८
नैगम-व्यवहारनयसम्मत अनौपनिधिकी द्रव्यानुपूर्वी के भेद ---------- ६०
नैगम-व्यवहारनयसम्मत अर्थपदप्ररूपणा और प्रयोजन ---------- ६०
नैगम-व्यवहारनयसम्मत भंगसमुत्कीर्तन और उसका प्रयोजन ---------- ६२
नैगम-व्यवहारनयसम्मत भंगोपदर्शनता ---------- ६४
समवतारप्ररूपणा ---------- ६६
अनुगमप्ररूपणा ---------- ६८
सत्पदप्ररूपणा ---------- ६९
द्रव्यप्रमाण ---------- ६९
क्षेत्रप्ररूपणा ---------- ७०
स्पर्शनाप्ररूपणा ---------- ७२
कालप्ररूपणा ---------- ७३
अन्तरप्ररूपणा ---------- ७४
भागप्ररूपणा ---------- ७५
भावप्ररूपणा ---------- ७७
अल्पबहुत्वप्ररूपणा ---------- ७७
संग्रहनयसम्मत अनौपनिधिकी द्रव्यानुपूर्वीप्ररूपणा ---------- ७९
संग्रहनयसम्मत अर्थपदप्ररूपणता एवं प्रयोजन ---------- ८०
संग्रहनयसम्मत भंगसमुत्कीर्तनता एवं प्रयोजन ---------- ८१
संग्रहनयसम्मत भंगोपदर्शनता ---------- ८२
समवतारप्ररूपणा ---------- ८२
संग्रहनयसम्मत अनुगमप्ररूपणा ---------- ८३
सत्पदप्ररूपणा ---------- ८३
संग्रहनयसम्मत क्षेत्रप्ररूपणा ---------- ८४
संग्रहनयसम्मत स्पर्शनाप्ररूपणा ---------- ८४
संग्रहनयसम्मत काल और अन्तरप्ररूपणा ---------- ८५
संग्रहनयसम्मत भागप्ररूपणा ---------- ८६
संग्रहनयसम्मत भावप्ररूपणा ---------- ८६
औपनिधिकी-द्रव्यानुपूर्वीनिरूपण ---------- ८७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

पूर्वानुपूर्वी ---------- ८७
पश्चानुपूर्वी ---------- ८८
अनानुपूर्वी ---------- ८८
औपनिधिकी-द्रव्यानुपूर्वी का दूसरा प्रकार ---------- ८९
पूर्वानुपूर्वी ---------- ८९
पश्चानुपूर्वी ---------- ९०
अनानुपूर्वी ---------- ९०
क्षेत्रानुपूर्वी के प्रकार ---------- ९१
नैगम-व्यवहारनयसम्मत अनौपनिधिकी क्षेत्रानुपूर्वी ---------- ९१
नैगम-व्यवहारनयसम्मत अर्थपदप्ररूपणा और प्रयोजन ---------- ९२
नैगम-व्यवहारनयसम्मत क्षेत्रानुपूर्वी-भंगसमुत्कीर्तनता एवं प्रयोजन ---------- ९३
नैगम-व्यवहारनयसंमत भंगोपदर्शनता ---------- ९४
नैगम-व्यवहारनयसंमत क्षेत्रानुपूर्वी की समवतारप्ररूपणा ---------- ९५
नैगम-व्यवहारनयसंमत क्षेत्रानुपूर्वी अनुगम प्ररूपणा ---------- ९६
अनुगमसंबन्धी सत्पदप्ररूपणता ---------- ९६
अनुगमसंबन्धी द्रव्यप्रमाण ---------- ९६
क्षेत्रानुपूर्वी की अनुगमान्तर्वर्ती क्षेत्रप्ररूपणा ---------- ९७
अनुगमत स्पर्शनाप्ररूपणा ---------- ९९
अनुगमगत कालप्ररूपणा ---------- ९९
अनुगमगत अन्तरप्ररूपणा ---------- १००
अनुगमगत भागप्ररूपणा ---------- १०१
अनुगमगत भावप्ररूपणा ---------- १०२
अनुगमगत अल्पबहुत्वप्ररूपणा ---------- १०३
संग्रहनयसम्मत अनौपनिधिकी क्षेत्रानुपूर्वीप्ररूपणा ---------- १०४
औपनिधिकी क्षेत्रानुपूर्वी की विशेष प्ररूपणा ---------- १०६
अधोलोकक्षेत्रानुपूर्वी ---------- १०८
तिर्यग् (मध्य) लोक क्षेत्रानुपूर्वी ---------- १०९
ऊर्ध्वलोकक्षेत्रानुपूर्वी ---------- १११
औपनिधिकी क्षेत्रानुपूर्वी के वर्णन का द्वितीय प्रकार ---------- ११२
कालानुपूर्वीप्ररूपणा ---------- ११३
नैगम-व्यवहारनयसम्मत अनौपनिधिकी कालानुपूर्वी ---------- ११४
(क) अर्थपदप्ररूपणता ---------- ११४
(ख) भंगसमुत्कीर्तनता ---------- ११६
(ग) भंगोपदर्शनता ---------- ११७
(घ) समवतार ---------- ११८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

(ङ) अनुगम--११८
(ङ १) सत्पदप्ररूपणता--११९
(ङ २) द्रव्यप्रमाण ---११९
(ङ ३, ४) क्षेत्र और स्पर्शनाप्ररूपणा--१२०
(ङ ५) कालप्ररूपणा --१२१
(ङ ६) अन्तरप्ररूपणा--१२२
(ङ ७) भागप्ररूपणा---१२४
(ङ ८, ९) भाव और अल्पबहुत्वद्वार ---१२५
संग्रहनयमान्य अनौपनिधिकीकालानुपूर्वी---१२५
संग्रहनयसम्मत अर्थपदप्ररूपणता आदि---१२५
औपनिधिकी कालानुपूर्वी-प्रथम प्रकार ---१२६
औपनिधिकी कालानुपूर्वी-द्वितीय प्रकार--१२७
उत्कीर्तनानुपूर्वीनिरूपण --१२८
गणनानुपूर्वीप्ररूपणा ---१३०
संस्थापनानुपूर्वीप्ररूपणा --१३१
समाचारी-आनुपूर्वीप्ररूपणा ---१३३
भावानुपूर्वीप्ररूपणा---१३५
नामाधिकार
नामाधिकार की भूमिका--१३७
एकनाम --१३७
द्विनाम ---१३८
त्रिनाम--१४६
द्रव्यनाम --१४७
गुणनाम---१४७
वर्णनाम --१४८
गंधनाम --१४८
रसनाम--१४९
स्पर्शनाम--१४९
संस्थाननाम--१५०
पर्यायनाम--१५१
त्रिनाम की व्याख्या का दूसरा प्रकार ---१५२
चतुर्नाम ---१५३
पंचनाम ---१५५
छहनाम ---१५५
औदयिकभाव ---१५७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

जीवोदयनिष्पन्न औदयिकभाव -- १५८
अजीवोदयनिष्पन्न औदयिकभाव -- १५८
औपशमिकभाव -- १५९
क्षायिकभाव -- १६०
क्षायोपशमिकभाव -- १६३
पारिणामिकभाव -- १६६
सान्निपातिकभाव -- १६९
द्विकसंयोगज सान्निपातिकभाव -- १६९
त्रिकसंयोगज सान्निपातिकभाव -- १७२
चतुःसंयोगज सान्निपातिकभाव -- १७५
पंचसंयोगी सान्निपातिकभाव -- १७८
सप्तनाम -- १७९
सप्तस्वरों के स्वर स्थान -- १८०
जीवनिश्रित सप्त स्वर -- १८१
अजीवनिश्रित सप्त स्वर -- १८२
सप्त स्वरों के स्वर लक्षण-फल -- १८२
सप्त स्वरों के ग्राम और उनकी मूर्च्छनाएँ -- १८४
सप्तस्वरोत्पत्ति आदि विषयक जिज्ञासाएँ – समाधान -- १८५
गीतगायक की योग्यता -- १८५
गीत के दोष -- १८६
गीत के आठ गुण -- १८६
गीत के वृत्त छन्द -- १८८
गीत की भाषा -- १८८
गीतगायक के प्रकार -- १८९
उपसंहार -- १८९
अष्टनाम -- १९०
नवनाम -- १९२
वीररस -- १९३
श्रृंगाररस -- १९४
अद्भुतरस -- १९४
रौद्ररस -- १९५
व्रीडनकरस -- १९५
बीभत्सरस -- १९६
हास्यरस -- १९७
करुणरस -- १९७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

प्रशान्तरस ---१९८
दसनाम -- १९९
गौणनाम---१९९
नोगौणनाम ---२००
प्रतिपक्षपदनिष्पन्ननाम ---२०२
प्रधानपदनिष्पन्ननाम ---२०३
अनादि-सिद्धान्तनिष्पन्ननाम---२०३
नामनिष्पन्ननाम---२०४
अवयनिष्पन्ननाम ---२०४
संयोगनिष्पन्ननाम---२०५
द्रव्यसंयोगजनाम---२०६
क्षेत्रसंयोगजनाम---२०७
कालसंयोगनिष्पन्ननाम ---२०८
भावसंयोगनिष्पन्ननाम ---२१०
प्रमाणनिष्पन्ननाम ---२११
नामप्रमाणनिष्पन्ननाम---२१२
स्थापनाप्रमाणनिष्पन्ननाम---२१२
नक्षत्रनाम ---२१३
देवनाम ---२१४
कुलनाम ---२१५
पाषण्डनाम ---२१५
जीवितहेतुनाम---२१६
आभिप्रायिकनाम ---२१६
द्रव्यप्रमाणनिष्पन्ननाम---२१७
भावप्रमाणनिष्पन्ननाम ---२१७
सामासिकभावप्रमाणनिष्पन्ननाम---२१७
द्वन्द्व समास ---२१८
बहुब्रीहि समास---२१९
कर्मधारयसमास ---२१९
द्विगु समास ---२२०
तत्पुरुष समास---२२०
अव्ययीभाव समास ---२२१
एकशेष समास ---२२१
तद्वितजभावप्रमाणनाम---२२२
कर्मनाम ---२२२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

शिल्पनाम ---------- २२३
श्लोकनाम---------- २२४
संयोगनाम ---------- २२४
समीपनाम ---------- २२५
संयूथनाम---------- २२५
अपत्यनाम---------- २२६
धातुजनाम ---------- २२६
निरुक्तिजनाम ---------- २२७
प्रमाणाधिकार
प्रमाण के भेद ---------- २२७
द्रव्यप्रमाणनिरूपण ---------- २२९
प्रदेशनिष्पन्न द्रव्यप्रमाण---------- २२९
विभागनिष्पन्न द्रव्यप्रमाण---------- २३१
मानप्रमाण ---------- २३१
धान्यमानप्रमाण ---------- २३२
रसमानप्रमाण---------- २३४
उन्मानप्रमाण ---------- २३५
अवमानप्रमाण ---------- २३७
गणिमप्रमाण---------- २३८
प्रतिमानप्रमाण---------- २४०
क्षेत्रप्रमाणप्ररूपण ---------- २४२
प्रदेशनिष्पन्नक्षेत्रप्रमाण ---------- २४३
विभागनिष्पन्नक्षेत्रप्रमाण ---------- २४४
अंगुलस्वरूपनिरूपण---------- २४४
आत्मांगुल---------- २४५
आत्मांगुल का प्रयोजन ---------- २४७
आत्मांगुल के भेदग---------- २४८
अंगुलत्रिक का अल्पबहुत्व---------- २४९
उत्सेधांगुल ---------- २५०
परमाणुनिरूपण---------- २५०
व्यवहारपरमाणु ---------- २५३
व्यावहारिकपरमाणु का कार्य ---------- २५६
उत्सेधांगुल का प्रयोजन ---------- २५८
नारक-अवगाहना निरूपण ---------- २५९
भवनपति देवों की अवगाहना---------- २६३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

पंच स्थावरों की शरीरावगाहना ---२६३
द्वीन्द्रिय जीवों की अवगाहना ---२६४
त्रीन्द्रिय जीवों की शरीरावगाहना ---२६५
चतुरिन्द्रिय जीवों की शरीरावगाहना ---२६५
पंचेन्द्रियतिर्यंच जीवों की शरीरावगाहना ---२६६
मनुष्य अवगाहनिरूपण---२७४
वाणव्यंतर और ज्योतिष्क देवों की अवगाहना---२७६
वैमानिक देवों की अवगाहना ---२७६
उत्सेधांगुल के भेद और बेदों का अल्पबहुत्व ---२७९
प्रमाणांगुलनिरूपण ---२८०
प्रमाणांगुल का प्रयोजन ---२८२
प्रमाणांगुल के भेद, अल्पबहुत्व ---२८२
कालप्रमाणप्ररूपण ---२८४
समयनिरूपण---२८५
समयसमूहनिष्पन्न कालविभाग ---२८९
औपमिककालप्रमाणनिरूपण---२९१
पल्योपम-सागरोपमप्ररूपण ---२९१
अद्धापल्योपम-सागरोपमनिरूपण ---२९५
नारकों की स्थिति ---२९८
भवनपति देवों की स्थिति ---३०१
पंच स्थावरों की स्थिति---३०१
विकलेन्द्रियों की स्थिति---३०५
पंचेन्द्रियतिर्यंचो की स्थिति---३०७
जलचरपंचेन्द्रियतिर्यंचो की स्थिति ---३०७
स्थलचर पंचेन्द्रिय तिर्यंचों की स्थिति---३०८
खेचर पंचेन्द्रिय तिर्यंचो की स्थिति ---३१२
संग्रहणी गाथाएँ ---३१३
मनुष्यों की स्थिति ---३१३
व्यंतर देवं की स्थिति---३१४
ज्योतिष्क देवों की स्थिति---३१५
वैमानिक देवं की स्थिति---३१७
सौधर्म आदि अच्युतपर्यन्त कल्पों के देवों की स्थिति---३१८
ग्रैवेयक और अनुत्तर देवों की स्थिति ---३२०
क्षेत्रपल्योपम का निरूपण ---३२२
सूक्ष्मक्षेत्रपल्योपम-सागरोपम ---३२४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सूक्ष्मक्षेत्रपल्योपम-सागरोपम का प्रयोजन ---------- ३२६
अजीवद्रव्यों का वर्णन ---------- ३२६
जीवद्रव्यप्ररूपणा ---------- ३२९
शरीरनिरूपण ---------- ३३०
चौवीस दंडकवर्ती जीवों की शरीरप्ररूपणा ---------- ३३१
पंचशरीरों का संख्यापरिमाण ---------- ३३३
बद्धमुक्त वैक्रियशरीरों की संख्या ---------- ३३५
बद्धमुक्त आहारक शरीरों का परिमाण ---------- ३३६
बद्धमुक्त तैजसशरीरों का परिमाण ---------- ३३६
बद्धमुक्त कार्मणशरीरों की संख्या ---------- ३३८
नारकों में बद्धमुक्त पंचशरीरों की प्ररूपणा ---------- ३३८
भवनवासियों के बद्ध-मुक्त शरीर ---------- ३४१
पृथ्वी-अप्-तेजस्कायिक जीवों के बद्ध-मुक्त शरीर ---------- ३४३
वायुकायिकों के बद्ध-मुक्त शरीर ---------- ३४४
वनस्पतिकायिकों के बद्ध-मुक्त शरीर ---------- ३४५
विकलत्रिकों के बद्ध-मुक्त शरीर ---------- ३४६
पंचेन्द्रिय तिर्यंचयोनिकों के बद्ध-मुक्त शरीर ---------- ३४८
मनुष्यों के बद्ध-मुक्त पंचशरीर ---------- ३४९
वाणव्यंतर देवों के बद्ध-मुक्त शरीर ---------- ३५३
ज्योतिष्कदेवों के बद्धमुक्त पंच शरीर ---------- ३५४
ज्योतिष्क देवों के बद्ध-मुक्त शरीर एवं कालप्रमाण का उपसंहार ---------- ३५५
भावप्रमाण ---------- ३५७
गुणप्रमाण ---------- ३५८
अजीवगुणप्रमाणनिरूपण ---------- ३५८
जीवगुणप्रमाणनिरूपण ---------- ३६०
प्रत्यक्षप्रमाणनिरूपण ---------- ३६१
अनुमानप्रमाणनिरूपण ---------- ३६२
पूर्ववत्-अनुमाननिरूपण ---------- ३६३
शेषवत्-अनुमाननिरूपण ---------- ३६४
दृष्टसाधर्म्यवत्-अनुमान ---------- ३६६
प्रतिकूल विशेषदृष्ट-साधर्म्यवत्-अनुमान के उदाहरण ---------- ३६९
उपमानप्रमाण ---------- ३७२
साधर्म्योपनीत उपमान ---------- ३७२
वैधर्म्योपनीत उपमान ---------- ३७४
आगमप्रमाणनिरूपण ---------- ३७६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

दर्शनगुणप्रमाण ---------- ३७९
चारित्रगुणप्रमाण ---------- ३८१
नयप्रमाणनिरूपण ---------- ३८६
प्रस्थकदृष्टान्त द्वारा नयनिरूपण ---------- ३८६
वसतिदृष्टान्त द्वारा नयनिरूपण ---------- ३८८
प्रदेशदृष्टान्त द्वारा नयनिरूपण ---------- ३९१
भव्यशरीर द्रव्यसंख्या निरूपण ---------- ४०१
ज्ञायकशरीर-भव्यशरीर-व्यतिरिक्त द्रव्यशंख ---------- ४०१
एकभविक आदि शंखविषयक नयदृष्टि ---------- ४०३
औपम्यसंख्यानिरूपण ---------- ४०४
सत्-सद्रूप औपम्यसंख्या ---------- ४०४
सद्-असदद् रूप औपम्यसंख्या ---------- ४०५
असत्-सत् औपम्य संख्या ---------- ४०५
असद्-असद् रूप औपम्य संख्या ---------- ४०६
परिमाणसंख्यानिरूपण ---------- ४०६
कालिकश्रुतपरिमाणसंख्या ---------- ४०७
दृष्टिवाद श्रुतपरिमाणसंख्यानिरूपण ---------- ४०८
ज्ञानसंख्यानिरूपण ---------- ४०८
गणनासंख्यनिरूपण ---------- ४०९
संख्यात आदि के भेद ---------- ४०९
संख्यातनिरूपण ---------- ४१२
परीतासंख्यातनिरूपण ---------- ४१७
युक्तासंख्यातनिरूपण ---------- ४१८
असंख्यातसंख्यात का निरूपण ---------- ४१९
परीतानन्तनिरूपण ---------- ४२०
युक्तानन्तनिरूपण ---------- ४२१
अनन्तानन्तनिरूपण ---------- ४२२
भाव-संख्यानिरूपण ---------- ४२३

वक्तव्यतानिरूपण

वक्तव्यता के भेद ---------- ४२४
स्वसमयवक्तव्यतानिरूपण ---------- ४२४
परसमयवक्तव्यतानिरूपण ---------- ४२५
स्वसमय-परसमयवक्तव्यतानिरूपण ---------- ४२६
वक्तव्यता के विषय में नयदृष्टियाँ ---------- ४२६

अर्थाधिकारनिरूपण

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अर्थाधिकारनिरूपण ---------- ४२९

समवतारनिरूपण

समवतारनिरूपण ---------- ४२९

नाम-स्थापनाद्रव्यसमवतार ---------- ४३०

क्षेत्रसमवतार ---------- ४३२

कालसमवतार ---------- ४३३

भावसमवतार ---------- ४३४

निक्षेपाधिकार

निक्षेपनिरूपण ---------- ४३६

ओघनिष्पन्ननिक्षेप ---------- ४३७

अध्ययननिरूपण ---------- ४३७

नाम-स्थापना-अध्ययन ---------- ४३८

द्रव्य-अध्ययन ---------- ४३८

भाव-अध्ययन ---------- ४४०

अक्षीणनिरूपण ---------- ४४१

नाम-स्थापना-अक्षीण ---------- ४४१

द्रव्य-अक्षीण ---------- ४४१

भाव-अक्षीण ---------- ४४३

आय-निरूपण ---------- ४४४

नामस्थापना-आय ---------- ४४४

आगम-द्रव्य-आय ---------- ४४५

नोआगम-द्रव्य-आय ---------- ४४५

भाव-आय ---------- ४४८

क्षपणानिरूपण ---------- ४४९

नामस्थापनाक्षपणा ---------- ४४९

द्रव्यक्षपणा ---------- ४४९

भवक्षपणा ---------- ४५१

नामनिष्पन्ननिक्षेपप्ररूपणा ---------- ४५२

नाम-स्थापना-सामायिक ---------- ४५३

द्रव्यसामायिक ---------- ४५३

भावसामायिक ---------- ४५४

सामायिक के अधिकारी की संज्ञायें ---------- ४५५

श्रमण की उपमायें ---------- ४५५

प्रकारान्तर से श्रमण का निर्वचन ---------- ४५७

सूत्रालापकनिष्पन्ननिक्षेप ---------- ४५७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अनुगमनिरूपण
अनुगमनिरूपण ---------- ४५८
निर्युक्त्यनुगम ---------- ४५८
निक्षेपनिर्युक्त्यनुगम ---------- ४५८
उपोद्घातनिर्युक्त्यनुगम ---------- ४५९
सूत्रस्पर्शिक निर्युक्त्यनुगम ---------- ४६२
नयनिरूपण
नयनिरूपण की भूमिका ---------- ४६७
नैगम आदि सात नयों के लक्ष्य ---------- ४६८
नयवर्णन ---------- ४७१
परिशिष्ट
१. कथानक ---------- ४७४
२. कालगणना की संज्ञाओं और क्रम में विविधता ---------- ४७७
३. गाथानुक्रम ---------- ४७९
४. विशिष्ट शब्दसूची ---------- ४८२
५. संज्ञावाचकशब्दानुक्रम ---------- ४९२
अनध्ययकाल ---------- ४९५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org